



## GS-116

IV Semester B.C.A/B.Sc. (FAD) Examination, May/June 2019

### LANGUAGE HINDI - IV

#### Upanyas, Film Sameeksha Aur Anuvad (CBCS) (F+R) (2016-17 & Onwards)

Time : 3 Hours

Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए : 10x1=10

1. यश का बाढ़ से घिरने का अनुभव किस शहर से संबंधित है ?
2. राम को छुड़ाने के लिए पिताजी ने कितना हरजाना भरा था ?
3. राधा ने यश को ट्यूशन पढ़ाने के कितने रुपये दिए थे ?
4. बदरी की मृत्यु किस नदी में डूबने से हुई थी ?
5. हाईस्कूल पास करने के बाद यश ने आगे की पढ़ाई कहाँ से की थी ?
6. यश को टैपेरी पार्ट-टाइम टीचर की नौकरी किस शहर में मिली थी ?
7. रूपमती कौन थी ?
8. यश ने अपने हिस्से की ज़मीन बेचकर सारे रुपये कहाँ जमा कर दिए ?
9. बदरी ने कहाँ नौकरी की थी ?
10. 'आकाश की छत' के लेखक कौन हैं ?

II. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2x8=16

1. जिस दिन हिलना शुरू कर देंगे सारी दीवारें, छतें हिलना शुरू हो जाएँगी, तहलका मच जाएगा और नींव के लोग निकलकर ऊपर आ जाएँगे और ये ऊपर के लोग मलबा बन जाएँगे।
2. ईमानदारी का इतना बड़ा मूल्य होता है और उसने उस ईमानदारी के हीरे को आज झूठ के कीचड़ में फँक दिया।
3. बदरी को सेठ खा गया। वह बड़ा हरामी है। पैसे वाले हरामी होते ही हैं।
4. सुख के वर्ष क्षणों के समान बीत जाते हैं और हम उनका मूल्य नहीं आँक पाते, केवल जी कर बहा देते हैं।

III. ; "आकाश की छत" उपन्यास के केन्द्र में कछार का संघर्षपूर्ण जीवन है। स्पष्ट कीजिए। 1x16=16

अथवा

"आकाश की छत" उपन्यास का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.



IV. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए :

1x8=8

1. बदरी।
2. पद्मिनी।

V. किसी एक फिल्म की समीक्षा कीजिए :

1x10=10

1. बर्फी।
2. दिशा।

VI. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

1x10=10

Today's world is deeply concerned with the environment. Its the foundation wherein man finds himself in close relationship with nature. Western religions too have tried to prove the superiority of man over nature. Though man and nature are created by the Almighty, yet man becomes the consumer and the nature is an object to be consumed.

ಇಂದಿನ ಜಗತ್ತು ಪರಿಸರದ ಬಗ್ಗೆ ಬಹಳ ಕಾಳಜಿಯನ್ನು ವಹಿಸಿದೆ. ಪರಿಸರದ ಅಡಿಪಾಯದಲ್ಲ ಮನುಷ್ಯನು ತನ್ನ ಹಾಗೂ ಪ್ರಕೃತಿಯ ನಡುವೆ ಒಂದು ಹತ್ತಿರದ ಸಂಬಂಧವನ್ನು ಕಾಣುತ್ತಾನೆ. ಪಾಶ್ಚಾತ್ಯ ಧರ್ಮಗಳೂ ಕೂಡ ಪ್ರಕೃತಿಯ ಮೇಲೆ ಅಧಿಪತ್ಯವನ್ನು ಸಾಬೀತು ಪಡಿಸಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸುತ್ತಿವೆ. ಆ ಭಗವಂತನೇ ಮಾನವ ಹಾಗೂ ಪ್ರಕೃತಿಯನ್ನು ಸೃಷ್ಟಿ ಮಾಡಿದರೂ, ಮಾನವ ಗ್ರಾಹಕನಾಗಿ ಪ್ರಕೃತಿಯನ್ನು ಒಂದು ಸೇವನೆಯ ವಸ್ತುವನ್ನಾಗಿಸಿದ್ದಾನೆ.

- o o o -

<https://www.onlinebu.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से